संदर्भ ग्रन्थ सूची -

Abbas, R., & Manzoor, M. (2015). Socio-Economic Factors of Women's Involvement in Crimes in Southern Punjab, Pakistan. *Academic Research International*, *6*(2), 442.

Bh, A. (2015). -Socio-Legal Status of Women Prisoners and their Dependent Children: A Study of Central Jails of Rajasthan. *Sociology and Criminology-Open Access*

Bunch, C. (1990). Women's rights as human rights: Toward a re-vision of human rights. *Human Rights Quarterly*, *12*(4), 486-498.

Covington, S. S. (1998). Women in prison: Approaches in the treatment of our most invisible population. *Women & Therapy*, *21*(1), 141-155.

Currie, B. (2012). Women in prison: A forgotten population. *Internet Journal of Criminology*, 1-30.

Covington, S., & Bloom, B. (2003). Gendered justice: Women in the criminal justice system. *Gendered justice: Addressing female offenders*, 3-23.

Das, S. (2013). Women Prisoners in Odisha: A Socio-Cultural Study (Doctoral dissertation, National Institute of Technology Rourkela).

Kingi, V. (2000, October). The children of women in prison: A New Zealand study. In *Women in Corrections, Staff and Clients Conference* (Vol. 31).

MA, RN Mangoli. "custodial provisions for women-an empirical study of karnataka central prison Nandini. Devarmani MA, Ph. D."

Mumola, C. J. (2000). Incarcerated Parents and Their Children. Bureau of Justice Statistics Special Report.

Swargiary, J. (2012). The female offenders and their interpersonal relations in the family.

के.अनुपमा- विमेन क्रिमिनल्स ए केस स्टडी फ्राम इंडिया- मल्टी डिसीप्लीनरी जर्नल ऑफ ह्यु मॅनिटीज ॲड सोशल सायंसेस व्हॉल्युम 1 इश्यु 2 आर्टीकल नं.2

एनेकु उसिओमा (1998) निडस् ॲसेसमेंट इन एज्यूकेशनल प्रोव्हीजन फॉर फॅरेन प्रिजनर्स- जर्नल ऑफ करेकशनल एज्यूकेशन(1979) व्हॉल्यूम नं.49 नं.4(डिसंबर 1998) पी.एन 196-200

मिली पि पुरुमल आर और चेरियन निला (2005) : फिमेल क्रिमीनॉलीटी इन इंडिया : प्रिव्टीलेंस, कॉजेस ॲड प्रिवेंटीव्ह मेजर्स- इंटनॅशनल जर्नल ऑफ क्रिमिनल जस्टीस सायंस-व्हॉल्युम 10- जनवरी-जून 2005 पी.एन 65-96

क्रिस रॉस(2004) विमेन्स पार्टीसीपेशन दन प्रिझन एज्युकेशन : व्हॉट वुई नो ॲड व्हॅट वुई डोन्ट नो, जर्नल ऑफ करेक्शनल एज्युकेशन व्हॉल्युम नं.55 नं.6(मार्च 2004) पीपी 78-100

केस पी, फेनफेस्ट डी, सारी आर, फिलिप्स ए (2005) प्राब्हायडींग एज्युकेशनल सपोर्ट फॉर फिमेल एक्स इन मेटस् : प्रोजेक्ट प्रुव्ह अज मॉडेल फॉर सोशल रिइंटीग्रेशन- जर्नल फॉर करेक्शनल एज्युकेशन(1974) व्हॉल्युम नं.56, नं 2,(जून 2005) पीपी 146-157

ठाकुर, गोपाल कृष्ण. (2014). डायमेंशन ऑफ जेंडर इनइक्वलिटी इन इंडिया एंड एजुकेशन एज़ एन इंस्ट्रूमेंट फॉर वीमेन एम्पावरमेंट एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडीस्सिप्लिनरी स्टडीज़ *(ISSN: 2321-8819)*, 2(10), 153-157

आहूजा ,राम (2015). सामाजिक सामस्याए . (द्वितीय संस्करण).जयपुर : रावत पब्लिकेशन्स .

बेदी , किरण (1999). यह संभव है .(प्रथम संस्करण). दिल्ली : वाणी ओरकशन .

वाशिष्ठ, सरिता .(2010).महिला और कानून .(प्रथम संस्करण). दिल्ली: कल्पना प्रकाशन.

विप्लव (2012). भारत में महिला मानवाधिकार .(प्रथम संस्करण). मेरठ: राहुल पाब्लिकेशन.

पाण्डेय , गणेश (2008).अपराध शास्त्र .(प्रथम संस्करण). दिल्ली : राधा पब्लिकेशन्स .

सिंह ,अरुण कुमार (2015). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ.(बारहवाँ संस्करण).दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन.

सिह, निशान्त.(2008).भारत मे अपराध.(प्रथम संस्करण).दिल्ली : ओमेगा पब्लिकेशन्स .

गुप्ता, एस.पी. (2015). आधुनिक मापन एवं मुल्यांकन्इलाहाबाद:शारदा पुस्तक भवन.

रावत, हरिकृष्ण (2013). सामाजिक शोध की विधियाँ. जयपुर: पब्लिकेशन्स.

कौल, लोकेश(2011). शैक्षिक अनुसन्धान की कार्य प्रणाली. दिल्ली: विकास पब्लिकेशन्स.